गोलालारीय समाज का मुखपत्र

श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास इन्दौर

golalariya_darshan@yahoo.in

गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है :- www.golalariya.com

मासिक गोलालारीय दर्शन

अपनों के साथ अपनी बातें

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/ICD/1252/2012-2014

जो भरा नहीं हैं भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं। हृदय नहीं पत्थर हैं वो, जिसे समाज से प्यार नहीं।

वर्ष : 4 अंक : 4 पृष्ठ संख्या : 8 माह - सितम्बर 2012 सहयोग राशि : 100 रु.

सफलता के क्षितिज पर समाज के गौरव...

- प्रिया जैन ने म.प्र. राज्य बोर्ड से कक्षा बारहवीं में 92% अंक प्राप्त कर मेरिट लिस्ट में पांचवा स्थान अर्जित कर अपने परिवार का नाम रोशन किया है। सी.ए. व मैनेजमेंट की डिग्री हासिल करना उनका आगामी लक्ष्य है।

- आरोही जैन ने सीबीएसई बोर्ड से कक्षा बारहवीं में 90% अंक प्राप्त किये, साथ ही पी.एम.टी. में म.प्र. में 753वीं रैंक प्राप्त कर भोपाल मेडीकल कॉलेज में प्रवेश प्राप्त कर लिया है। आपके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ....

- मृदुला जैन, भोपाल ने सीबीएसई बोर्ड से कक्षा दसवीं में सीजीपीए 10 प्राप्त कर परिवार व समाज को गौरवांवित किया। मृदुला का लक्ष्य जीवविज्ञान विषय लेकर डॉक्टर बनना है । हम उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते है....

स्वागत... अभिनंदन... वंदन.... शुभकामनाएँ...

आज पुन: वह मंगल बेला आन पहुँची है जब हम अपनी प्रतिभाओं की सफलता का यशोगान कर स्वयं को गौरवांवित अनुभव कर रहे हैं। इन सफल नौनिहालों में नन्हें-मुन्ने, जिन्होंने अभी अभी सफलता का स्वाद चखा है, साथ ही किशोर व युवा प्रतिभाएं भी है जिन्हें आगे भी नित नई चुनौतियों का सामना करना है। अपनी आँखों में स्वर्णिम भविष्य के सपने लिये ये बाल एवं युवा प्रतिभाएं आज समाज के समक्ष हैं। स्वागत है इन सभी प्रतिभाओं का जिन्होंने निष्ठापूर्वक वर्षभर कठोर परिश्रम कर अपना लक्ष्य प्राप्त किया है। अभिनंदन है उन माता पिताओं का जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रुप से अपने नौनिहालों के प्रयासों को कठिन परिस्थितियों में भी प्रोत्साहित करते रहे और कंधे से कंधा मिलाकर उनकी सफलता में सहभागी बने। वंदन है उन शिक्षकों का जिनके सफल मार्गदर्शन से सफलता का यह मार्ग प्रशस्त हो सका और छात्र अपना सर्वोत्तम लक्ष्य प्राप्त कर सके। जिस प्रकार कृषक बीज बोने से लेकर फसल पकने तक खेत में विषम धूप, वर्षा और शीत को सहते हुये कड़ी तपस्या करता है और अंतत: श्रेष्ठ फसल काटता है, विद्यार्थियों के लिए भी यह क्षण कुछ वैसा ही है जब उन्होंने पूरे वर्ष लगन, निष्ठा और एकाग्रता से माँ सरस्वती की आराधना करते हुए अंत में सफलता रुपी वरदान प्राप्त किया। **'गोलालारीय दर्शन परिवार'** अपने नौनिहालों की स्वर्णिम सफलता से अभिभूत हो उन्हें अनेकानेक बधाईयां प्रेषित करता है और उनके आगामी जीवन के लिये शुभकामनायें देता है।

सफलता और सम्मान का साथ चोली-दामन सा है। जैसे जैसे व्यक्ति के जीवन में सफलता प्राप्त होती है, सम्मान स्वत: ही मिलने लगता है। फिर यदि मुद्दा बाल प्रतिभाओं के सम्मान का हो तो यह सम्मान उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप अवश्य ही प्रदान किया जाना चाहिए। विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाना एक महत्वपूर्ण पहल है। यह सत्य है कि भावी कर्णधार ही भविष्य में प्रगति और विकास के लिये नये आयाम स्थापित करेंगे। इस समय उन्हें सम्मानित और प्रोत्साहित करना राष्ट्र और समाज के निर्माण में उनकी भागीदारी के लिये अत्यंत प्रेरणास्पद होगा। ऐसे सम्मान न केवल स्वयं विद्यार्थियों वरन् अन्य सहपाठी छात्रों के लिये भी प्रेरक होते है और उन्हें अधिक परिश्रम करने के लिये प्रोत्साहित करते हैं। इससे उनके बीच स्वस्थ प्रतियोगिता का भाव विकसित होता है। कठिन प्रतियोगिता के इस आधुनिक युग में सर्वोच्च स्थान हासिल कर ही विद्यार्थी अपना भविष्य उज्जवल बना सकते है। बालक हो अथवा युवा, प्रतिभाओं को सही समय पर उचित सम्मान दिया जाना उनकी लगन, मेहनत और आत्मविश्वास को द्विगुणित कर नयी गतिशीलता प्रदान करती है। इससे भविष्य में समाज के कल्याणार्थ अपनी योग्यता और क्षमताओं का उपयोग वे दुगने उत्साह से करते है। बाल तथा युवा प्रतिभाओं के सम्मान का उद्देश्य उन्हें कुछ और बेहतर बनने की प्रेरणा देना है जिससे वे अपनी क्षमताओं को बढ़ाते हुए और बेहतर कार्य करें। छात्र-छात्रायें अपनी सफलताओं और उपलब्धियों को ही आगे बढ़ने हेतु प्रेरणास्रोत बनायें तथा अपने ज्ञान की धार को सतत् रुप से तेज करते रहें।

परिवार और समाज के वरिष्ठजनों का भी यह महत्वपूर्ण कर्त्तव्य व उत्तरदायित्व है कि हम अपने नौनिहालों सतत् रुप से प्रेरित करें जिससे वे देश व समाज के सर्वतोमुखी विकास के पथ पर आगे बढ़ सके व राष्ट्र के कर्त्तव्यनिष्ठ नागरिक बन सकें। आज समाज से पाया सम्मान और प्रोत्साहन निस्संदेह बच्चों के मन में स्मरणीय रहेगा और भविष्य में वे समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करने हेतु अधिक सक्रिय योगदान दे सकेंगे। यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि वर्तमान में हमारे समाज की रुचि इस ओर बढ़ी है और प्रतिभाओं के सम्मान हेतु कुछ एक सामाजिक और धार्मिक संस्थायें अग्रणी हुयी हैं। परमपूज्य मुनि 108 श्री क्षमासागरजी एवं श्री ज्ञानसागरजी द्वारा आयोजित सम्मान समारोह इस दिशा में अत्यंत प्रशंसनीय है तथापि इस प्रकार के प्रयासों की ओर अधिक आवश्यकता है।

प्रतिभा भले ही जन्मजात होती है या सतत् परिश्रम से अर्जित की जाती है, किन्तु अध्यात्मिक आशीर्वाद तथा प्रोत्साहन से उनमें और अधिक निखार आ सकता है। हमारे जीवन के बहुमुखी विकास में हमारे धार्मिक आदर्शों और नैतिक मूल्यों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यही आदर्श और नैतिक मूल्य हमारी आजीविका का मंगल पथ प्रशस्त करते हैं। हमारे धर्मगुरू सदैव हमारा मार्गदर्शन करते हैं और सीख देते है कि अपने प्रत्येक कर्म के साथ धर्म जोड़कर उसे सत्कर्म बनायें। विचारों के साथ धर्म जोड़कर उन्हें सद्विचार बनायें। संकल्प के साथ धर्म जोड़कर उसे सद्संकल्प बनायें। जीवन के प्रत्येक पक्ष के साथ धार्मिक विवेक जोड़कर सभी पक्षो को उज्जवल बनाये तभी हमारा जीवन आदर्श हो सकेगा। इस प्रकार धर्मगुरुओं और संस्थाओं द्वारा दिया गया सम्मान बालकों और युवाओं के जीवन को सत्कर्मों की ओर निर्देशित करता है। बच्चों के साथ ही कुछ बातें उनके माता-पिता के बारे में भी करना न्यायसंगत होगा। सफल बच्चों की सफलता के पीछे कहीं न कहीं उनके माता पिता और परिवार की भूमिका अवश्य होती है। बच्चों की शिक्षा दीक्षा हेतु आवश्यक सामग्री और धन के प्रबंधन के साथ ही नियमित अध्ययन हेतु व्यवस्थाओं और समय का सुप्रबंधन, संतुलित आहार का नियमन आदि अनेक ऐसे बिन्दु है जो न्यूनाधिक रुप से बच्चों की सफलता के लिये उत्तरदायी होते है। इन सबसे अधिक महत्वपूर्ण है वर्तमान युग की गलाकाट प्रतिस्पर्धा जिसमें केवल 'सर्वोत्तम ही विजयी' का एकसूत्रीय सिद्धांत लागू होता है। इस प्रतियोगिता में न केवल प्रतिस्पर्धी होना वरन् विजेता के रूप में ऊपर आना अत्यंत दुरुह कार्य है जिसमें अत्यधिक मानसिक तनाव व दवाब का सामना करना पड़ता है। ऐसे समय माता पिता और परिवार का सहयोग ही मानसिक संबल प्रदान करता है। दूसरे शब्दों में बच्चों के साथ ही पालकों के लिये भी यह समय कड़ी परीक्षा का होता है। लेकिन पालकों की भूमिका यही इति नहीं होती। बालक के परीक्षा आवेदन के समान ही सम्मान और पुरस्कार हेतु आवेदन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अपने प्रतिभावान् बालक/बालिका को समाज के सम्मुख लाना भी उतना अहम है। प्रसन्नता है कि अनेक माता पिता इसे महत्व दे रहे हैं; जिनका प्रमाण हमारे कार्यालय पर लगातार आ रही अंकसूचियां है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हमें लगभग 150 अंकसूचियां प्राप्त हुयी, अंतिम तिथि के कई दिनों बाद भी । आपका उत्साह प्रशंसनीय है परन्तु एक निवेदन है कि कृपया अंतिम तिथि की प्रतीक्षा न करें। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही हमें सूचित करे तथा बच्चे का चित्र और अंकसूची की प्रतिलिपि प्रेषित करें। कुछेक माता पिता आज भी असमंजस में पड़े जान पड़ते है या कुछ अपनी अति महत्वाकांक्षा के कारण अपने बच्चों की प्रतिभा को तुलनात्मक रूप से कमतर आँकते हुये उसे समाज के समक्ष लाने में हिचकिचाते हैं। आपसे निवेदन है कि ऐसी गलती न करें। एक बार प्रयास कर आगे बढ़े और विश्वास रखें कि आपकी यह छोटी सी प्रोत्साहन भरी पहल बच्चे के भविष्य के लिये कितनी प्रेरक सिद्ध होती है। ''गोलालारीय दर्शन'' अपने नौनिहालों के लिये एक मंच स्वरुप है जहां से वे अपने समाज के समक्ष स्वयं की पहचान स्थापित कर सकते हैं। गोलालारीय दर्शन में छपी सभी प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्र डाक द्वारा प्रेषित किये जावेंगे ।

श्रीमती अनुपमा जैन, सह संपादिका

इन्दौर की **नित्यता जैन** सुपुत्री श्री नितिन-निधि जैन चोइथराम स्कूल में कक्षा तीसरी में अध्ययनरत है। बहुमुखी प्रतिभा की धनी नित्यता ने इसी वर्ष म.प्र. राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में अंडर 9 बालिका वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त कर अक्टूबर 2012 में राष्ट्रीय स्पर्धा में म.प्र. का प्रतिनिधित्व करेगी । म.प्र. राज्य स्तरीय यूसीमास प्रतियोगिता 12 में म.प्र. में थर्ड रनरअप रहकर चेन्नई में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में म.प्र. का प्रतिनिधित्व कर रही है। नित्यता ने इसके पूर्व 5वीं एसओएफ इंटरनेशनल मैथेमेटिक्स व साइबर ऑलिम्पयाड में म.प्र. में तृतीय स्थान प्राप्त कर मध्यप्रदेश के राज्यपाल महामहिम श्री रामनरेशजी यादव के कर कमलों से सम्मान प्राप्त किया। नित्यता को फैशन एवं मॉडलिंग में भी विशेष रुचि है, वे कई फैशन शो में भाग ले चुकी है। स्कूल की पढ़ाई के साथ अनेक प्रतियोगिताओं में भी भाग लेते हुए अनेक पुरस्कार प्राप्त किये है।

17 अगस्त को लखनऊ के महावीर उद्यान में अहिंसा के प्रणेता भगवान श्री महावीर स्वामी की मूर्ति को छैनी हथौड़े से तोड़ने के कृत्य की हम घोर निंदा करते हैं।

गोलालारीय दर्शन समाज के 4500 परिवारों तक नियमित भेजा जा रहा है। यदि आपके किसी रिश्तेदार तक पत्रिका नहीं पहुंचती है तो उनका नाम व पता पोस्टकार्ड पर लिखकर पत्रिका कार्यालय पर भेज देवें।

परामर्श प्रमुख

डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत, 9837043221
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली, 9412678256

प्रधान संपादक

राजेन्द्र जैन ''बागो'', 9424013136

सह संपादिका

श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884

कोषाध्यक्ष –

सुधेश कुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक

राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227
(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

परम संरक्षक

श्री आनंद मांगीलाल जैन, विजय नगर, इन्दौर
श्री निशांत नरेन्द्रकुमार जैन, महारानी रोड़, इन्दौर

संरक्षक

श्री प्रवीणकुमार जैन, अनूप नगर, इन्दौर
श्री पंकजकुमार पी. जैन, सुखलिया, इन्दौर
श्रीमती सुशीलादेवी स्व. श्री बाबूलालजी जैन 'सायकलवाले', ललितपुर

विशेष सहयोगी

श्री अश्विन जैन, जबलपुर
श्री निर्मल कुमार जैन, ज्योत्षाचार्य, जबलपुर
श्री राजकुमार जैन, एस.बी.आई, जबलपुर
डॉ. सुनील जैन, जबलपुर
सिं. चन्द्रकुमार जैन 'ठेकेदार', जबलपुर
श्री जयकुमार जैन, जबलपुर
श्री आलोक जैन, कोषाध्यक्ष, जबलपुर
श्री अरविन्द कुमार जैन 'बाकल', जबलपुर
श्री राजेन्द्रकुमार जैन, एस.बी.आई. उज्जैन

आजीवन सदस्य

श्री सुनील कुमार जैन, शिवानन्द नगर, अहमदाबाद
श्री अनिल कुमार जैन, गजराज सोसायटी, अहमदाबाद

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	– 21000/–
परम संरक्षक(अ.जा.)	– 11000/–
संरक्षक (अ.जा.)	– 5100/–
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	– 2100/–
आजीवन शुल्क	– 1100/–
पंचवर्षीय सहयोग	– 250/–

आप गोलालारीय दर्शन में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के बैंक खाता क्र. 63048875855 में जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी कार्यालय पर अवश्य भेंजे ताकि सहयोग राशि की रसीद आपको भेज सके ।

विज्ञापन शुल्क

अंतिम फुल पेज	3000/–
1/2 पेज	2000/–
1/4 पेज	1000/–
कॉलम	500/–
मांगलिक बधाई फोटो सहित	500/–
शोक संदेश फोटो सहित	200/–
बॉयोडाटा फोटो सहित	100/–

घर के साथ निखारे स्वयं को

कर्त्तव्य परायणता, निष्ठा, सहनशीलता, प्रेम, वात्सल्य ये सभी पर्यायवाची शब्द है स्त्री के। ऐसा हम सदियों से देखते आये हैं। लेकिन इसके साथ साथ वीरता, साहस, सृजनशीलता भी उसी स्त्री के पर्यायवाची शब्द है। समय की माँग के अनुसार स्त्री ने अपने इन गुणों को साबित भी किया है। मगर बदलते वक्त के साथ आज स्त्री को अपने इन गुणों को और भी निखारना होगा। जो आप में है उसे बाहर निकालना होगा। यदि आप अपने परिवार के प्रति कर्त्तव्यों को पूरा करती हैं, तो अपने प्रति भी जागरुक होने की आवश्यकता है, यदि आप अपनों को प्रेम वात्सल्य दे रही है तो अपने से प्रेम करना भी सीखिये। यदि आप मकान को घर बनाने में अपनी सृजनशीलता दिखलाती है तो स्वयं को भी आत्मविश्वास से भर दीजिये और फिर देखिये कि आप दुगुने उत्साह के साथ अपने कर्त्तव्यों का पालन कर पायेंगी। इसी सोच के साथ साथ दि. जैन गोलालारीय समाज इन्दौर की पूर्वी इकाई गोयल नगर में सर्वप्रथम महिलाओं ने स्वस्ति मंडल का निर्माण किया। जिसकी गतिविधियों की जानकारी आपको गोलालारीय दर्शन के माध्यम से प्राप्त होती रहती है।

इसी श्रृंखला में विजय नगर, इन्दौर की महिलाओं ने भी अपना संगठन बनाया है तथा हर माह किसी न किसी सदस्य के घर में भक्तामर पाठ का आयोजन तथा विचारों का आदान–प्रदान किया जाता है।

प्रतिमाह समाज की महिलाओं की बैठक समाज भवन इन्दौर पर होती है इसमें अनेको गतिविधियों के साथ वी.सी. का आयोजन होता है। इन संगठनों की सभी महिलाओं के आत्मविश्वास में सकारात्मक वृद्धि हुई है तथा आत्मसंतुष्टि है कि वे घर के साथ साथ स्वयं को भी निखारने में लगी है। संतुष्ट हृदय ही खुशहाल परिवार, समाज व देश का निर्माण कर सकता है। अत: आप सभी गोलालारीय दि. जैन समाज की महिलाओं से निवेदन है कि वे भी अपने क्षेत्र में निवासरत स्वजातीय महिलाओं का संगठन बनाये। कुछ अपने लिये व समाज के लिये करे यह बदलते वक्त की मांग है। और अपनी गतिविधियों की जानकारी हमें प्रेषित करें ताकि हम आपकी गतिविधियों से सभी को लाभान्वित कर सके ।

सह संपादिका – अर्चना जैन

इन्दौर गोलालारीय समाज की साधारण सभा का आयोजन

इन्दौर। श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास की वार्षिक साधारण सभा दिनांक 16/9/2012, रविवार को समाज के सांस्कृतिक भवन 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर पर दोपहर 1 बजे आयोजित की गई है। जिसमें वर्ष 2011–12 के आर्थिक प्रतिवेदन के साथ न्यास द्वारा क्रय की गई नवीन भूमि पर निर्माण कार्य के रुप रेखा पर विचार किया जाना है। क्षमावाणी कार्यक्रम, स्नेह सम्मेलन व इन्दौर समाज की नवीन पत्रिका के प्रकाशन के साथ साथ अनेक विषयों पर चर्चा कर निर्णय लिया जावेगा।

समाज अध्यक्ष श्री कोमलचंदजी ने बताया कि समस्त सदस्यों को सभा की सूचना पृथक से प्रेषित की जा रही है उन्होंने सभी सदस्यों से सादर अनुरोध किया है कि वे सभा में उपस्थित होकर अपने सकारात्मक विचारों से मार्गदर्शन देकर समाज विकास में अपना योगदान अवश्य देवें। समाज का क्षमावाणी कार्यक्रम दिनांक 7 अक्टूबर 2012, रविवार को समाज के सांस्कृतिक भवन 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर पर दोपहर 2.30 बजे रखा गया है। जिसमें तपसाधकों एवं मेघावी छात्रों का सम्मान किया जावेगा।

श्री महावीर दि. जैन मंदिर का निर्माण पूर्णता की ओर...

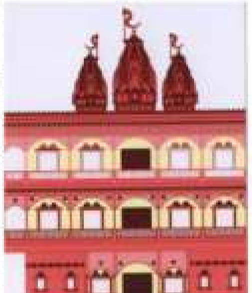

महावीर दि. जैन मंदिर का निर्माण कार्य शीघ्र ही पूर्ण होने की आशा है। दि. 30 जुलाई 2012 , सोमवार को नवनिर्मित मंदिर में विराजमान होने वाली प्रतिमाओं का भव्य जुलूस शहर के मुख्य मार्गो से भ्रमण करते हुए मंदिरजी पहुँचा । जहां प्रतिमाओं की स्थापना कर दी गई है। मंदिर निर्माण कमेटी के संयोजक श्री महेन्द्र कुमार जैन (बिस्कुट) ने संभावना व्यक्त की है मंदिरजी के पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव नवम्बर 2012 में होने की पूर्णत: आशा की जा रही ही है।

गोलालारीय सोशल ग्रुप की मीटिंग संपन्न

इन्दौर, सपना जैन। श्री गोलालारीय सोशल ग्रुप की त्रैमासिक मीटिंग में शहर के जाने माने मल्टीप्लेक्स ब्राडवे में 'बोल बच्चन' फिल्म दिखाई गयी। इस मीटिंग में सदस्यों की शत प्रतिशत उपस्थिति रही। फिल्म के पश्चात आयोजित सभा में ग्रुप संयोजक श्री बाहुबली जैन ने सदस्यों का स्वागत किया तथा ग्रुप के वरिष्ठ सदस्यों को जन्मदिन की बधाईयाँ दी। गोलालारीय दर्शन की सह सम्पादिका श्रीमती अनुपमा जैन ने उपस्थित महिलाओं और बच्चों को समाज से जुड़ने व सामाजिक गतिविधियों में अपना सक्रिय सहयोग प्रदान करने की अपील की। पत्र के संपादक श्री राजेन्द्र जैन 'बागो' ने सदस्यों को प्रोत्साहित करते हुए प्रस्ताव रखा कि वे अपनी छिपी हुयी प्रतिभा को निखारें। उनकी प्रतिभाओं को उचित मंच देने के लिये गोलालारीय दर्शन सदैव तत्पर रहेगा। कार्यक्रम के अंत में ग्रुप अध्यक्ष श्री राजेश जैन 'सायकलवाले' एवं सचिव श्री अंचल पंचरत्न ने सदस्यों का आभार प्रकट करते हुए इसी तरह सभी मीटिंग में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाने का अनुरोध किया ।कार्यक्रम पश्चात सहभोज में सभी ने सुस्वादु व्यंजनों का आनंद लिया ।

निवेदन

गोलालारीय दर्शन माध्यम है सामाजिक गतिविधियों की जानकारी का। समय समय पर इस पत्रिका के माध्यम से हम आपको हर संभव सामाजिक गतिविधियों की जानकारी देने का प्रयास करते आये है और यह सब संभव हो पाता है आपकी जागरुक सहभागिता से। इसी कड़ी में आप सभी से निवेदन है कि पर्यूषण पर्व निकट है ।अत: आप अपने अपने क्षेत्र में इस पर्व व क्षमावाणी पर्व में गोलालारीय समाज की सहभागिता का विवरण शीघ्र एवं अवश्य भेजे ताकि हम उसे प्रकाशित कर सभी को अवगत करा सके। जिससे आपके क्षेत्र में होने वाले नये नये कार्यक्रमों, विचारों से समाज के अन्य परिवार भी लाभान्वित हो सके।

※ विनम्र श्रद्धांजली ※

ज्योतिषाचार्य **पं. श्री हरदास जैन** गंजबासौदा का देवलोकगमन 3 जून 12 को हो गया है। ज्योतिष विज्ञान का वृहद ज्ञान के साथ धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में आपका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

श्री दिगम्बर जैन गोलालारीय सेवा समिति, अहमदाबाद के पूर्व अध्यक्ष श्री हीरालालजी जैन करमौरावालों की धर्मपत्नी **श्रीमती सुशीलादेवी** का स्वर्गवास दि. 29.06.2012 को हो गया है। धार्मिक, पारिवारिक, सामाजिक गतिविधियों में आपका विशेष योगदान अनुकरणीय व अविस्मरणीय रहेगा। मुनि आहार–विहार में विशेष योगदान के लिए आप सदैव तत्पर रही ।

श्री प्रसन्नकुमारजी जैन एडव्होकेट का देहावसान दि. 13.07.2012 को हो गया। छिंदवाड़ा में वकील साहब के नाम से लोकप्रिय प्रसन्नजी अपने संयम और नियमों की दृढ़ता के लिये समाज भर में जाने जाते थे।

श्री श्रीनंदनलाल जैन दिवाकीर्ति का निधन दि. 14.08.2012 को नागपुर में हो गया। गंजबासौदा जैन समाज के साथ आप अनेको संस्थाओं से जुड़े रहे। जिले में प्रथम बी.एड. कॉलेज की स्थापना आपके द्वारा की गई। सामाजिक एवं धार्मिक आयोजन के अनेको प्रसंगों पर आपके योगदान की सराहना कर आपको आयोजन समिति द्वारा सम्मानित भी किया गया।

सिद्धान्तवाचस्पति न्यायलंकार स्व. पं. श्री वंशीधरजी की पुत्रवधु एवं पं. धन्यकुमारजी की धर्मपत्नी **श्रीमती कस्तूरीबाई जैन** का देहांत 26.08.12 को इन्दौर में हो गया है। आप इन्दौर समाज की सबसे बुजुर्ग महिला थी।

श्री आनंद कुमार जैन 'पंचरत्न', गंजबासौदा का आकस्मिक निधन 27.08.12 को हो गया है । श्री पंकज जैन गंजबासौदा की माताजी **श्रीमती शीला जैन** धर्मपत्नी स्व. श्री छबीलचंदजी जैन का निधन 28.08.12 को हो गया है।

अनुरोध – आपके नगर में आयोजित कार्यक्रमों की सचित्र जानकारी व किसी भी धार्मिक, सामाजिक कार्यों में अपने समाज सदस्यों की सहभागिता है तो वह खबर हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण समाचार है। ऐसी खबरों की सचित्र जानकारी हमे PDF / JPEG फाईल में अपना नाम व शहर का नाम लिखकर ई–मेल करें ।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ....

धीरता, अहमदाबाद	**अंकुशी**, बीना	**यशश**, ग्वालियर	**आशी**, डिंडोरी	**शुभ**, सागर	**सलोनी**, गंजबासौदा	**शाश्वत**, गंजबासौदा
रविन्द्र जैन	मुक्तेशकुमार-सपना जैन	अमित जैन	संजय-प्रीति जैन	विनय-सीमा जैन	सुरेन्द्र-शिवानी जैन	नवीन-प्रीति भंडारी
1ली - 91.70%	1ली - ए+	1ली - ए+	1ली - ए+	1ली - ए1	1ली - ए	1ली - ए

सम्यक, इन्दौर	**दीपांशी**, विदिशा	**हर्षिल**, इन्दौर	**रीत**, इन्दौर	**रिद्धिमा**, विदिशा	**अनीषा**, ग्वालियर	**ध्रुव**, विदिशा
बाहुबली-निशा जैन	संजय-वंदना जैन	रजनीश-रीना जैन	आशीष-विनीता जैन	आकाश जैन	जिनेश जैन	धर्मेन्द्र-अलका जैन
1ली - बी	2री - ए++	2री - ए++	2री - ए++	2री - ए+	2री - ए+	2री - ए

अपूर्व, ललितपुर	**अरिहंत**, गंजबासौदा	**परी**, गंजबासौदा	**नित्यता**, इन्दौर	**मोक्ष**, विदिशा	**प्रियांशी**, विदिशा	**आस्था**, गंजबासौदा
आशीष-मालती जैन	मुकेश-अर्चना जैन	पवनकुमार-नीतू जैन	नितिन-निधि जैन	आकाश जैन	संजय-वंदना जैन	-
2री - ए	2री - ए	2री - ए	2री - ए	3री - ए+	3री - ए+	3री - ए+

वंश, इन्दौर	**कोपल**, इटारसी	**कनिष्क**, इन्दौर	**चार्मी**, इन्दौर	**आयुष**, ललितपुर	**प्रांजल**, इन्दौर	**मैत्री**, इन्दौर
अंचल-सपना जैन	महेश-राजुल जैन	सचिन-नेहा जैन	निशांत-रेशु जैन	आशीष-मालती जैन	प्रवीण-रक्षा जैन	भरतेश-पूर्णिमा जैन
3री - ए+	3री - ए1	3री - ए	3री - ए	4थी - ए+	4थी - ए	4थी - ए

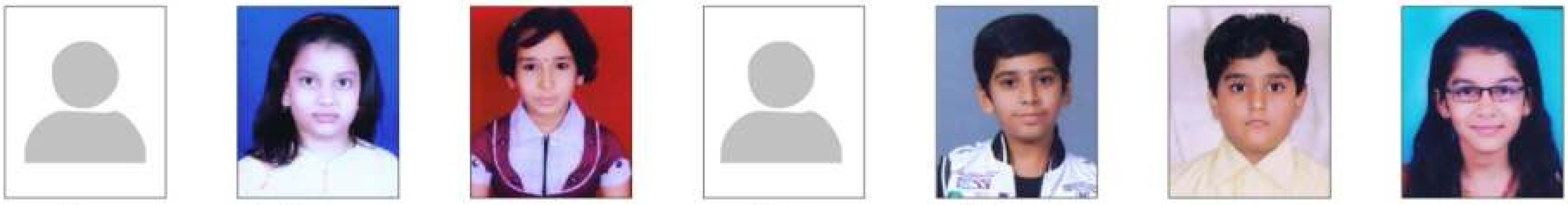

हर्ष, इन्दौर	**प्रांशी**, गंजबासौदा	**मुस्कान**, गंजबासौदा	**श्रुति**, डिंडोरी	**अतिशय**, इन्दौर	**सम्यक**, इन्दौर	**अनुष्का**, खरगौन
सुदीप-रेखा जैन	जितेन्द्र-सुषमा जैन	विनोद-संध्या जैन	रमेश-सीमा जैन	नीरज-अनु जैन	सुधीर-नीतू जैन	अनुराग-कीर्ति जैन
4थी - ए	4थी - ए	4थी - ए	4थी - बी	5वीं - 93%	5वीं - ए+	5वीं - ए+

प्रांशु, गंजबासौदा	**अमि**, भोपाल	**अमीषा**, इन्दौर	**अनुष्का**, इन्दौर	**मान्या**, इन्दौर	**संस्कार**, इन्दौर	**कृतिका**, गंजबासौदा
जितेन्द्र-सुषमा जैन	संजय जैन	नितिन-अर्चना जैन	पंकज-सरिता जैन	डॉ. समीर-निर्मला जैन	रजनीश-अनुपमा जैन	अनूप-अल्पना जैन
5वीं - ए	6टी - 91%	6टी - ए1	6टी - ए1	6टी - ए2	6टी - ए2	6टी - ए

अंकित, गंजबासौदा	**सुहानी**, अहमदाबाद	**संचिता**, इन्दौर	**सुहानी**, इन्दौर	**निकिता**, इन्दौर	**स्वस्ति**, छतरपुर	**आयुषी**, ललितपुर
सुनील-दीपाली जैन	सुदर्शन जैन	सुधीर-नीतू जैन	बाहुबली-निशा जैन	नितिन-अर्चना जैन	विनय-रजनी जैन	अनिल-सीमा जैन
6टी - ए	6टी - ए	6टी - बी+	6टी - बी	7वीं - ए1	7वीं - ए1	7वीं - 96%

प्रेरणा - मेधावी विद्यार्थियों के सहयोग को संकल्पित संस्था के संचालक इंजी. अरुण कुमार जैन द्वारा समाज के होनहार विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। जिसके फार्म गोलालारीय दर्शन की वेबसाईट से डाउनलोड किए जा सकते है। अधिक जानकारी हेतु आज संस्था संचालक से संपर्क कर सकते है। 8/21, एल.पी. भार्गव नगर, उज्जैन - 456 010, मो.: 9406648157, 9752447551

प्रतुति, इन्दौर	**श्रुति**, विदिशा	**रितिक**, इन्दौर	**प्रांजल**, गंजबासौदा	**सृष्टि**, इन्दौर	**शिविका**, ग्वालियर	**कृति**, विदिशा
अपूर्व-योजना पंचरत्न	आदर्श-मीना जैन	राजेश-सुनीता जैन	राकेश-संगीता जैन	बाहुबली-निशा जैन	जिनेश-सुषमा जैन	वीरेन्द्र-क्रांति भंडारी
7वीं - ए+	7वीं - ए	7वीं - ए	7वीं - बी	7वीं - बी2	8वीं - ए1	8वीं - 92.6%

इशीता, जबलपुर	**आशिका**, इन्दौर	**रोहित**, इन्दौर	**स्तुति**, इन्दौर	**सौम्या**, सागर	**काजल**, इन्दौर	**उदित**, इन्दौर
असित-कृतिका जैन	दीपक-कल्पना जैन	अनिल-साधना जैन	दिनेश-प्रीति जैन	विनय-सीमा जैन	अजय-अनुपमा जैन	दिनेश जैन
8वीं - ए1	8वीं - 91.33%	8वीं - ए2	8वीं - ए2	8वीं - ए2	8वीं - 83.6%	8वीं - ए+

प्रणति, अहमदाबाद	**श्रेया**, इन्दौर	**अनुष्का**, इन्दौर	**सक्षम**, विदिशा	**संकल्प**, इन्दौर	**सुरभि**, विदिशा	**शुभ्रा**, इन्दौर
प्रदीप कुमार जैन	धर्मेन्द्रा-नेहा जैन	आनंद-संगीता जैन	सुनील-निर्मला जैन	रजनीश-रचना जैन	आदर्श-मीना जैन	नीरज-अनु जैन
8वीं - 77%	8वीं - ए	8वीं - ए2	8वीं - बी1	9वीं - 83.8%	9वीं - 83%	9वीं - बी1

याशिका, इन्दौर	**मृदुला**, भोपाल	**अंतरा**, भोपाल	**श्रेया**, सागर	**आयुष**, जबलपुर	**प्रणव**, उज्जैन	**मानवी**, छतरपुर
राजेश जैन	राजीव-डॉ. रेखा जैन	डॉ.राजेश-मंजू जैन	विनय-सीमा जैन	धन्यकुमार-अरुणा जैन	प्रवीणकुमार जैन	विनय-रजनी जैन
9वीं - बी2	10वी - 10.0	10वी - 9.8	10वी - 9.8	10वी - 9.6	10वी - 9.6	10वी - 9.4
	सीबीएसई	सीबीएसई	सीबीएसई	सीबीएसई	सीबीएसई	सीबीएसई

मार्मिका, इन्दौर	**अम्बुज**, इन्दौर	**अजित**, -	**श्रेया**, खरगौन	**साक्षी**, गंजबासौदा	**समीक्षा**, जबलपुर	**नेवी**, भोपाल
डॉ.समीर-निर्मला जैन	अजित-संगीता जैन	विजयकुमार-सीमा जैन	श्रेयांस-अर्चना जैन	सुनील-निर्मला जैन	अरविंदकुमार-संगीता जैन	संजय जैन
10वी - 9.0	10वी - 9.0	10वी - 9.0	10वी - 8.8	10वी - 8.8	10वी - 8.4	10वी - 84%
सीबीएसई	सीबीएसई	सीबीएसई	सीबीएसई	सीबीएसई	सीबीएसई	सीबीएसई

ख्याति, इन्दौर	**प्राशिक**, इन्दौर	**विपांशु**, ललितपुर	**महिमा**, झांसी	**शिवांगी**, अहमदाबाद	**आयुषी**, गंजबासौदा	**आयुष**, अहमदाबाद
अनिल-साधना जैन	पंकज-सरिता जैन	विजय जैन	राजेश-राशी जैन	राजेश जैन	अनिल-अनिता जैन	सुदर्शनकुमार जैन
10वी - 8.0	10वी - 8.0	10वी - ए	10वी - ए	10वी - ए1	10वी - 88.5%	10वी - ए2
सीबीएसई	सीबीएसई	सीआईएससी	सीआईएससी	बोर्ड	बोर्ड	बोर्ड

रजत, इन्दौर	**सचिन**, टीकमगढ़	**राधिका**, अहमदाबाद	**सक्षम**, गंजबासौदा	**आयुष**, ललितपुर	**सौराध्य**, बांसी	**आकाश**, अहमदाबाद
विजय-अनुराधा जैन	सुभाषचंद्र-विमलेश जैन	धर्मेन्द्रकुमार जैन	अनूप-अल्पना जैन	अनिल-सीमा जैन	सुदर्शन-माला जैन	प्रमोद भाई जैन
10वी - 84.3%	10वी - 84%	10वी - बी1	10वी - 72%	10वी - 70%	10वी - 66%	10वी - बी2
बोर्ड	बोर्ड	बोर्ड	बोर्ड	सीआईएससी	बोर्ड	बोर्ड

"मंजिल तक पहुंचने के लिए पहला कदम तो उठाना ही पड़ेगा ।"

संचिता, नागौद
अशोक-सुनीता जैन
11वीं - 84.4%
गणित

मेघा, इन्दौर
भरतेश-पूर्णिमा जैन
11वीं - 72.8%
कॉमर्स

सृष्टि, इन्दौर
रजनीश-रचना जैन
11वीं - 71.2%
कॉमर्स

आरोही, भोपाल
डॉ. राजेश-अंजू जैन
12वीं - 90.2%
बायो - सीबीएसई

शुभि, इन्दौर
राजेश-अनुपमा जैन
12वीं - 89.4%
बायो - सीबीएसई

दिशा, इन्दौर
विवेक-सुषमा जैन
12वीं - 83.4%
बायो - बोर्ड

दिशांक, इन्दौर
दिनेश-प्रीति जैन
12वीं - 78.6%
गणित-सीबीएसई

मोनिका, जबलपुर
प्रमोद-मंजु जैन
12वीं - 77.2%
गणित-सीबीएसई

आस्था, इन्दौर
जिनेन्द्र-हेमलता जैन
12वीं - 69%
गणित-सीबीएसई

विशाल, निवाड़ी
सुभाषचंद्र-विमलेश जैन
12वीं - 90%
गणित-बोर्ड

उत्सव, चंदेरी
चक्रेश-अर्चना जैन
12वीं - 88.2%
गणित-बोर्ड

शुभम, जबलपुर
प्रदीप-अंगूरी जैन
12वीं - 82.4%
गणित-बोर्ड

रोहन, ओरछा
अनिल-उषा जैन
12वीं - 80.4%
गणित-बोर्ड

अंकित, गंजबासौदा
गिरीश-सुधा जैन
12वीं - 75.4%
गणित-बोर्ड

दिव्यांश, विदिशा
विनोद-चंदा जैन
12वीं - 72%
गणित-बोर्ड

अंकित, जबलपुर
प्रमोद-चंदा जैन
12वीं - 71.6%
गणित-बोर्ड

सौरभ, विदिशा
आदर्श-मीना जैन
12वीं - 64%
गणित-बोर्ड

आयुषी, इन्दौर
रजनीश-अनुपमा जैन
12वीं - 88%
कॉमर्स-सीबीएसई

प्रिया, इन्दौर
प्रवीण-प्रीति जैन
12वीं - 92.2%
कॉमर्स-बोर्ड

सुरभि, विदिशा
पुष्पेन्द्र-रचना जैन
12वीं - 86%
कॉमर्स-बोर्ड

सुविधि, इन्दौर
आलोक-रीना जैन
12वीं - 82.2%
कॉमर्स-बोर्ड

पारुल, झांसी
भामाशाह-कामिनी जैन
12वीं - 73.6%
कॉमर्स-बोर्ड

साहीबा, जबलपुर
नरेन्द्र-रूपा जैन
12वी - 71.8%
कॉमर्स-बोर्ड

अंकिता, विदिशा
विनोद-चंदा जैन
एम.बी.ए. - 89%
फायनेंस

सौरभ, गंजबासौदा
एस.के.जैन
बी.ई. - 65.13%
कम्प्यूटर

आकांक्षा, गंजबासौदा
आनंद-शोभा जैन
बी.एस.सी.- 85.8%
-

रवीना, (झांसी)
रविन्द्र-ममता जैन
बी.बी.ए.-68%
-

मुस्कान, (विदिशा)
महेन्द्र-सीमा जैन
8वी - ए2

श्वेतांक, गंजबासौदा
सुनील-कीर्ति जैन
8वीं - ए2

अनन्या, गंजबासौदा
सिद्धार्थ-राखी जैन
99.98%

अनवी, उज्जैन
आशीष-प्रतिभा जैन
98.6%

अनुभव, गंजबासौदा
संजय-प्रीति जैन
98.6%

आर्या, इटारसी
महेश-राजुल जैन
97.27%

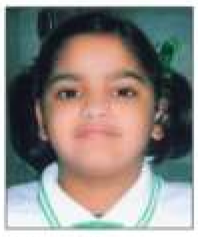

पंखुडी, विदिशा
पवन-नीतू जैन
ए

निम्न विद्यार्थियों की अंकसूची प्राप्त हुई, धन्यवाद । डिग्री पूर्ण होने के पश्चात ही प्रकाशन हेतु अवश्य भेजें।

रुचिका जैन (इन्दौर) राजेश-सुनीता जैन	एमबीए ।
निशि जैन (गंजबासौदा) गिरीश-सुधा जैन	बीएससी 5
मेघा जैन (गंजबासौदा) मुकेश-मंजु जैन	बीएससी 3
खुशबू जैन (गंजबासौदा) चन्द्रशेखर-ममता जैन	बीसीए 4
सुरभि जैन (डिंडोरी) रमेश-सीमा जैन	बी.कॉम 5
आयुषी (छतरपुर) अनिल-रेखा जैन	बी.कॉम 4
दिव्या (इन्दौर) दीपक-कल्पना जैन	बी.कॉम 2
सुरभि (ललितपुर) सुदर्शन जैन	बी.कॉम 2

प्राप्त अंकसूचियां नियमानुसार कम प्रतिशत की है। हम इन समस्त विद्यार्थियों से आशा करते है कि आगामी वर्ष और अधिक मेहनत कर सफलता अवश्य ही प्राप्त करेंगे।

सोमिल जैन (गंजबासौदा), सान्या जैन (गंजबासौदा)	7वीं
अमित जैन (गंजबासौदा), अंशुल जैन (गंजबासौदा)	8वीं
अभिषेक जैन (इन्दौर)	12वीं

नवदाम्पत्य जीवन की हार्दिक शुभकामनाएँ...

श्री चन्द्रकुमार-पुष्पा जैन, इन्दौर के द्वितीय **सुपुत्र चि. सौरभ** का शुभ विवाह 29 जून 2012 को बरघाट (सिवनी) निवासी श्री प्रवीणकुमार-रश्मि जैन की **सुपुत्री सौ.कां. प्रतीक्षा** से इन्दौर में संपन्न हुआ।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ...

धर्म ही मानव का शरण है

मानव जीवन का सार अहिंसा है । अहिंसा में ही सारे धर्म समन्वित है । अहिंसा आत्मधर्म का माध्यम है । यदि सभी धर्मों से अहिंसा को निकाल दिया जाए तो वह अहिंसा नहीं हिंसा का रूप ग्रहण कर लेंगी । अहिंसा में प्रकाश है, आत्म विकास है, जीवन का सारभूत तत्व है । अत: सभी धर्मो ने अहिंसा को सर्वोपरि माना है । धर्म ही जीवन की अंतिम चरम अभिव्यक्ति है जिससे संसार दुखों की परम्परा का नाश और श्रेयश अभ्युदय की प्राप्ति होती है । धर्म की शरण में जाने वाला संसारतीत आवागमन से विमुक्त होता है । प्राणी मात्र के यदि कोई शरण है तो वह धर्म ही है । धर्म की प्राप्ति बाह्य चकाचौंध में नही, न ही हिंसा के उपकरण रखकर बाह्य प्रदर्शन से है । आत्मचिंतन की स्वभाव वृत्ति धर्म है । विषय कषाय मिथ्यात्व के नाश किए बिना धर्म की उपलब्धि नहीं । धर्म के विषय में कुन्दकुन्दाचार्य ने कहा–

वस्यु स्वभावो धम्मो जो सो सम्मोक्ति णिहिट्ठष्णं ।
मोहक्षीण विहीणो, परिणामों अप्पणो धम्मो ॥

वस्तु के स्वभाव को धर्म कहते हैं । आत्मा का स्वभाव समता, राग–द्वेष रहित संतुलित मनोवृत्ति, मोह तथा क्रोध से विहीन समताभाव धर्म है । जो संसार के दु:खों से निकाल कर परम पद में स्थापित करता है । आचार्य समन्तभद्र ने कहा अनादिकाल से इस जीव ने संसार में बिना धर्म के परिभ्रमण किया जिसके कारण राग–द्वेष, विभाव, मोह परिणामों में लिपटा रहा है । जीव स्वत: को न पहचान, पर–परणति में लिप्त होकर जन्म मरण की क्रिया में सुख–दु:ख की जड़ता में मग्न होकर (जो विनाशक है) रच पचकर संलग्न है तथा संसार की संतति को बांधकर दु:खी हो रहा है । यह जीव स्वत: अपना धर्म, अन्याय, अत्याचार, मिथ्या, अधर्म कार्यो में लिप्त होकर शराब, मांसाहार, नशाखोरी में, जीवन व्यर्थ में गंवा रहा है । आत्म स्वभाव को आज तक न जाना न पहचाना न उसकी खोज की तत्वदृष्टि से आत्मा को कभी जानने की कोशिश भी नही की ।

वर्तमान के इस अणुबम, परमाणु बम के भयावह युग में, तथा आज के इस भौतिक वैज्ञानिक चकाचौंध में धर्म की महती आवश्यकता है । किसी कवि ने लिखा है – मनुष्य जन्म पाकर जो हम मनु की संतानें कहलाते है । बिना धर्म के शरण लिए व्यर्थ खो देना महामुर्खता है ।

'' मनुज धर्म दुर्लभ अहो, होय न दूजी वार ।
पका फल जो गिर गया, फेर न लागे डार ॥ ''

वैभव, विद्या, प्रभाव आदि के घमण्ड में मस्त हुए प्राणियों ने अपने स्वत्व को भुला दिया और अजर–अमर मान जीवन की बीती हुई स्वर्णिम घड़ियों को खो रहा है, धर्म के प्रति किंचित भी ध्यान नहीं ।

महाभारत का एक दृष्टांत है –

जब पांचों पाण्डव तृषित होकर एक सरोवर पर पानी पीने के लिए पहुंचे उस जलाशय के समीप निवास करने वाली दिव्य आत्माओं ने अपनी शंकाओं का उत्तर देने के पश्चात ही पीने का अनुज्ञा दी । प्रश्न यह था कि जगत में सबसे बड़ी आश्चर्यकारी बात कौनसी है ?

भीम अर्जुन भाइयों के उत्तरों से जब संतोष नहीं हुआ तब धर्मराज युधिष्ठिर ने कहा –

धर्म अन्तघ्न को महान् आलोक प्रदान करता है – वे कहते हैं अरे यह आत्मा निद्रावस्था द्वारा अपने में मृत्य की आशंका को उत्पन्न करता है और जागने पर जीवन के आनंद की झलक दिखाता है । यह जीवन मरण खोज आत्मा की प्रतिदिन लीला को, कब तक इस आत्मा को शरीर में कितने काल ठहरायेगा । प्रतिदिन प्राणी इस यम मन्दिर पहुँचते रहते है और संसार मे परिभ्रमण करते रहते है । अत: धर्म की शरणागत ही इस यम परंपरा को समाप्त कर सकती है ।

गौतम बुद्ध ने धर्म के विषय में कहा–

(देसेथ भिक्खवेधम्मं, आदि कल्याणं, मज्झे कल्याण, परियोसानं कल्याण, भिक्षुओं तुम आदि कल्याण – मध्यकल्याण और अन्तिम कल्याण का धर्मोपदेश दो ।

आचार्य गुणभद्र ने आत्मानुशासन में लिखा है :

धर्म सुख का कारण है, कारण अपने कार्य विनाशक नहीं हो सकता । अत: आनन्द के विनाश के भय से तुम्हें धर्म से विमुख नहीं होना चाहिए । धर्म के विषय में लॉर्ड एवरो ने लिखा है :

विश्व में शांति तथा मानव के प्रति सद्भावना का कारण धर्म है जो घृणा अत्याचार को दूर हटाकर पारलौकिक सुख को प्रदान करता है ।

वैदिक धर्म में उल्लेख है – दार्शनिक रूप में कहते हैं जिसमें सर्वांगीण उदय समृद्धि तथा मुक्ति की प्राप्ति हो वह धर्म है ।

स्वामी विवेकानन्दजी के शब्दों में – ''मनुष्यों में विद्यमान देवत्व की अभिव्यक्ति को धर्म कहते हैं ।'' दार्शनिक विद्वान भू.पू. राष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन ने – ''सत्य तथा न्याय की उपलब्धि को एवं हिंसा के परित्याग को धर्म कहा है ।'' हिंसा कारगृह है और अहिंसा स्वच्छ जीवन को परिमार्जन कर शिवत्व पाने का लक्ष्य है ।

सत्यम् शिवम् सुन्दरम् को प्रतिष्ठित करने वाले अनेक मत हैं, जो धर्म की महत्ता प्रतिपादित करते है ।

महाभारत भागवत आदि पुराणों में उल्लेख है –

धृति: क्षमा दमोस्तेयं शौचमिन्द्रिय निग्रह : ।
धी विद्या सत्यमक्रोधो दशक धर्म लक्षणम् ॥
धर्म एवं हतो हन्ति, धर्मो रक्षति रक्षित: ।
तस्मात्धर्मो न हन्तव्यो धनोधर्मो हतोव्यधीत ॥''

यदि धर्म की हम रक्षा करेगें, तो हमारी रक्षा होगी, और यदि धर्म को हम हनन करेंगे (मारेंगे) तो हम मरेंगे जो क्लेश संताप का कारण बनेगा । इसलिए धर्म की शरण में जाना चाहिए । उसकी अहिंसा द्वारा रक्षा करना चाहिए । धर्म के प्रति रक्षा में प्राण भी देने पड़े तो अहिंसा के बल पर देना चाहिए ।

महावीर ने कहा – क्रोध को जीतने के लिए क्षमागुण–मान को मार्दव, मायाचारी को आर्जव तथा लोभ को जीतने के लिए शौच गुण अपनाना चाहिए । त्याग, तपस्या साधना के बल पर विषय कषायों से लड़कर आत्म विजयी बनना ही धर्म है । महावीर वाणी में लिखा है –

पश्यात्मन् धर्ममहात्मम्यं, धर्मकृत्यो न शोचति ।
विश्व विश्वस्यते चित्रं, सहि लोकद्वये विजयी ॥

हे । आत्मन् तू धर्म का महात्म्य देख, धर्मात्मा कभी शोक नहीं करता और वह सबका विश्वास पात्र होता है । धर्म को अंगीकार करने वाले धर्मात्मा इस लोक और परलोक मे विजयी होकर अनन्त शक्ति को प्राप्त होते है ।

'' जो वीर दुर्जय संग्राम में लाखों युद्धों को जीतता है, यदि वह अपनी आत्मा (धर्म) को जीत ले तो उसकी सर्वोत्तम विजय है ।

श्रुयतां धर्म सर्वश्च श्रुत्वा चैवधार्यताम ।
आत्मन: प्रतिकूलानां परषां न समाचरेत् ॥

धर्म का सार है जो आत्महित के लिए हो और श्रवण कर धारण कर आत्महित कर लिया जाये, जो अपनी आत्मा को नहीं रूचिता वैसा व्यवहार दूसरों के प्रति मत करो । यही धर्म का सार है ।

''यतोभ्युदयनि श्रेयसि सिद्धि : स: धर्म । '' – कणाद ऋषि

जहाँ मानव का कल्याण और सम्पूर्ण अभ्युदय हो वही धर्म है । जो कल्याण का द्योतक है ।'' आज मानव आत्म धर्म को भूलकर खाओ, पियो और मौज उड़ाओ का सिद्धांत अपना रहा है । जो अशांति का कारण है । धर्म का अर्थ है अहिंसा, मानवता, प्रेम–वात्सल्यता, सहिष्णुता, सदाचार नैतिक जीवन को अपनाकर उसकी शरण लेकर राग, द्वेष, मोह, क्षोभ को नष्ट कर सच्चा सुख प्राप्त करना । धर्म की शरण मे जाने वाला प्राणी कभी दुखी नहीं होता । वह स्वत: धर्म की शरण पा लेता है व दूसरों को शरण दिलाता है । ऐसे धर्म की एवं प्राणी की सदा जय होती है ।

– पं. बाबूलाल फणीश 'शास्त्री', पावागिरी ऊन, खरगौन

समृद्धि की राह - म्युचुअल फंड

धर्म, अध्यात्म व सामाजिक गतिविधियों के साथ अर्थशास्त्र का ज्ञान समाज के सर्वांगीण विकास के लिये जरुरी है। धन से धर्म किया जा सकता है तो क्यों न हम धन को अच्छी जगह सुरक्षित रखने की बात करें। पोस्ट ऑफिस व बैंक की बचत योजनाऐं जैसे एम.आई.एस., एफ.डी., आर.डी. आदि से सभी परिचित है। लेकिन म्युचुअल फंड की कई अच्छी योजनाऐं है। जिन्हें हम सब नहीं जानते है। समाज में लोगो की धारणा है कि ठंडा मतलब कोका कोला, म्युचुअल फंड मतलब शेअर बाजार। यह धारणा बिल्कुल गलत है। म्युचुअल फंड की कई ऐसी योजनाऐं है जो शेअर बाजार में निवेश नहीं करती है जैसे कि गोल्ड फंड, लिक्विड फंड, फिक्स मैच्योरिटी प्लान (एफएमपी), केपिटल वेंचर फंड आदि।

कहावत है कि दूध का जला छाछ को फूंक फूंक कर पीता है। कभी आपने यूलिप (यूनिट लिंक इंश्योरेंस प्लान) में पैसा लगाया और आपको नुकसान हुआ तो आप यह मान बैठे कि म्यूचुअल फंड खराब है। मैं आपको यह बताना चाहता हूँ कि यूलिप बीमा कंपनी की पॉलिसी है कोई म्युचुअल फंड नहीं है। म्यूचुअल फंड को एक बार अच्छी तरह समझ लेने के बाद आपको म्यूचुअल फंड से कोई परेशानी नहीं होगी।

म्युचुअल फंड को ऐसे समझे – म्यूचुअल फंड आपकी सम्पत्ति का प्रबंधक है जो आपकी तरफ से आपके द्वारा चुनी गई योजना के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रतिभूतियों में निवेश करता है। भारत में म्यूचुअल फंड ट्रस्ट के रूप में कार्य करते है। जिन पर आप विश्वास कर निवेश कर सकते है।

लिक्विड फंड – लिक्विड फंड का आशय तरल (नकदी) फंड से है लिक्विड फंड, शार्ट टर्म मनी मार्केट इनस्ट्रूमेंट जैसे काल मनी, बांड, सर्टिफिकेट ऑफ डिपाजिट, कमर्शियल पेपर आदि में निवेश करते है। जिनसे स्थिर आय प्राप्त होती है।

लिक्विड फंड की विशेषताएँ –

1) शेअर बाजार में निवेश नहीं होता है।
2) आपका निवेश कम नहीं होता है। अर्थात् नुकसान नहीं होता है।
3) कभी भी निवेश किये धन में से पैसा निकाला जा सकता है।
4) निवेश की कोई अधिकतम सीमा नहीं है।
5) कम से कम एक दो दिन के लिये भी निवेश कर सकते है।
6) निवेश करने या निकालने पर कोई शुल्क या पेनल्टी नहीं लगती है।
7) निवेश से निकासी अगले कार्यदिवस पर सीधे खाते में जमा (डायरेक्ट क्रेडिट) होता है।
8) इस स्कीम में रिटर्न रिजर्व बैंक की रेपो रेट के लगभग मिलता है। रेपो रेट वह होती है जिसमें रिजर्व बैंक अपने अधीन बैंको को उधार देता है।

किसे उपयोगी – (शार्ट टर्म मनी पार्किंग) कम समय पैसा रखने के लिये व्यक्ति व संस्था के लिये उपयोगी। हाई इनकम टैक्स स्लेब वालों के लिये अत्यधिक उपयोगी। आकस्मिक फंड रखने के लिए उपयोगी। बैंकों द्वारा अपनी वैधानिक तरलता अनुपात (एस.एल.आर.) का पैसा लिक्विड फंड में भी रखा जाता है। जो निवेशक इनकम टेक्स के 20–30 प्रतिशत आय स्लेब में आते है। उनको एफ.डी. की तुलना में लिक्विड फंड में 2–3% का सालाना आय ज्यादा टेक्स फ्री रिटर्न मिलता है। विगत एक साल में लिक्विड फंड ने 9 से 10 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। म्युचुअल फंड की किसी भी योजना (फिक्स) निश्चित रिटर्न नहीं मिलता है।

– राजेश कुमार जैन

(लेखक – म्युचुअल फंड इन इंडिया (एमएफआई) द्वारा रजिस्टर्ड सलाहकार है।)

पाठको की कलम से ...

प्रथम पृष्ठ पर बेटियों के बिना भारत माँ व भ्रूण हत्या – एक माँ... में लेखिकाद्वय ने श्रेष्ठ चिंतन समाज को दिया है। इस सामायिक पहल पर लेखिकाद्वय को हार्दिक बधाईयाँ। इस अलख को, जज़्बे को, पहल को निरंतरता दे। अन्य आलेख व सामग्री पूर्ववत स्तरीय है। श्री राजकुमार जैन करैरावालों का आलेख पथ प्रदर्शक तो है पर वर्तमान परिस्थितियों में जहां हर युवक कमाऊ जीवन संगिनी चाहता है, वहीं हमारी बेटियां कहीं भी पुरुषों से कम नहीं है, उनके चिंतन रुचि, स्वभाव व पसंद को नहीं नकारा जा सकता, इन परिस्थितियों में अंर्तजातीय विवाह रुक तो नहीं सकते। बिटिया अवनी का आलेख ग्रीष्म की तपिश में राहत की अनुभूति सा है। इसी तरह होम्योपैथी की जानकारी व जल ही जीवन है भी लाभप्रद है, नया स्तंभ यूथ केलीडियोस्कोप एक अभिनव व सार्थक पहल है, जो नयी पीढ़ी को समाज से जोड़ेगी। **– इंजी. अरुणकुमार जैन,** एल.पी.भार्गव नगर, उज्जैन

बायोडॉटा प्रारुप का विवरण

1. क्रमांक
2. प्रत्याशी का पूरा नाम
3. स्वयं / मामा का गोत्र
4. जन्म दिनांक
5. जन्म समय
6. जन्म स्थान
7. शिक्षा
8. कद / वजन
9. वर्ण
10. व्यवसाय
11. वार्षिक आय
12. कुंडली मिलान
13. मंगली
14. पत्र व्यवहार का पता
15. फोन / मोबाईल नं.
16. प्रत्याशी का ईमेल

प्रत्याशी का नवीन फोटो

---

1. 01
2. विकास विनोद कुमार पंचरत्न
3. पंचरत्न/गाहेमूरी गोहिल्य
4. 15.03.80
5. 11.50
6. खुरई
7. एम.एस.सी, बी.एड. (गणित)
8. 5'7''
9. गेहुँआ
10. शासकीय शिक्षक
11. 1.50 लाख
12. नहीं
13. नहीं
14. नेहरु वार्ड, खुरई जिला सागर (म.प्र.)
15. 07581-240111, 9754425202

---

1. 02
2. हितेश सुरेन्द्रकुमार जैन
3. पंचरत्न/फणीश
4. 25.9.86
5. 19.40
6. अहमदाबाद
7. एम.कॉम
8. 5'6''
9. गोरा
10. सर्विस
11. 2.40 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. ए/ई 392, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पिथमपुर
15. 9754641169, 9755529875

---

1. 03
2. कु. मिली विनोद कुमार पंचरत्न
3. पंचरत्न/गाहेमूरी गोहिल्य
4. 20.05.1985
5. 12.05
6. खुरई
7. बी.ई. (आई.टी.)
8. 5'2''
9. गेहुँआ
10. सर्विस, टी.सी.एस. पुणे
11. 5.00 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. नेहरु वार्ड, खुरई जिला सागर (म.प्र.)
15. 07581-240111, 9754425202

---

1. 04
2. भूपेन्द्र मक्खनलाल जैन
3. लांगुर/पंचरत्न
4. 24.03.84
5. 22.40
6. अहमदाबाद
7. बी.कॉम.
8. 5'4''
9. गेंहुआ
10. नौकरी – सांघी ब्रदर्स
11. 2.50 लाख
12. –
13. आंशिक मंगल
14. ई-75, III, लवकुश आवास विहार, सुखलिया, इन्दौर
15. 0731-4202479, 9827563010

---

1. 05
2. विक्रम महेन्द्र जैन
3. गुड़ारे/वेद
4. 24.12.85
5. 04.45
6. इन्दौर
7. एम.बी.ए. (फायनेंस)
8. 5'8''
9. गोरा
10. सर्विस–आईसीआईसीआई लोम्बार्ड
11. 8.00 लाख
12. हाँ
13. हाँ
14. 64-65, सिद्धार्थ नगर, केशर बाग रोड इन्दौर
15. 0731-2365965 9301642324, 9827015357

---

1. 06
2. अवनी राजेन्द्र जैन
3. पंचरत्न/फणीश
4. 11.12.87
5. 00.05
6. ललितपुर
7. बी.ई. कम्प्यूटर
8. 5'3''
9. गोरा
10. इम्पेटस, इन्दौर
11. 4.30 लाख
12. नहीं
13. नहीं
14. डी.के.एन.230, स्कीम नं. 74-सी, विजय नगर, इन्दौर
15. 0731-2570566, 9424013136

---

1. 07
2. संभव अशोककुमार जैन
3. सोनव्यारे/सेठ
4. 27.08.86
5. 7.20
6. सतना
7. बी.ए., एल.एल.बी (आनर्स)
8. 5'9''
9. गोरा
10. असि. मैनेजर– कोल इंडिया
11. 7.50 लाख
12. नहीं
13. नहीं
14. 308-ए, महालक्ष्मी नगर इन्दौर
15. 08989007333

---

1. 08
2. सौरभ कुमार सुरेशचंद जैन
3. पटवारी/पंचरत्न
4. 19.09.88
5. –
6. इन्दौर
7. बी.कॉम
8. –
9. –
10. –
11. 2.40 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. 40, आजाद नगर, मूसाखेड़ी इन्दौर
15. 0731-2713420 9753271580

---

1. 09
2. अंशु प्रकाशचंद जैन
3. दिवाकीर्ति/लांगुर
4. 7.02.84
5. 18.20
6. ललितपुर
7. एम.एस.सी.
8. 5'2''
9. गेहुआ
10. असि. प्रोफेसर, इन्दौर
11. –
12. हाँ
13. –
14. 22, सुभाषपुरा, घंटा घर के पास ललितपुर
15. 05176-272424 09450067534

---

1. 10
2. अविनेश स्व.श्री नाथूरामजी जैन
3. फणीश/वैद्य
4. 20.01.1981
5. 19.10
6. नरवर
7. एम.ए., बी.एड., स्टेनो हिंदी
8. 5'3''
9. गोरा
10. शा. शिक्षक वर्ग 2
11. 1.20 लाख
12. –
13. –
14. छोटा बाजार, नरवर, जिला शिवपुरी
15. 9993747508, 9425747841

---

1. 11
2. स्मिता सुरेशचंद जैन
3. पटवारी/पंचरत्न
4. 28.02.85
5. –
6. अहमदाबाद
7. एम.कॉम, पीजीडीसी
8. 5'2''
9. –
10. –
11. –
12. –
13. –
14. 40, आजाद नगर, मूसाखेड़ी इन्दौर
15. 0731-2713420 9753271580

बायोडाटा प्रकाशन शुल्क 100 रु. की राशि इस पत्रिका को निकालने में एक अहम भूमिका निर्वाह करती है, अपना सहयोग इसी प्रकार देकर हमें संबल प्रदान करें। आपके बायोडाटा के प्रकाशन में यदि कोई गंभीर त्रुटि रह गई हो तो प्रधान संपादक/संयोजक को सूचित करें ताकि आगामी अंक में संशोधन के साथ निशुल्क प्रकाशन किया जा सके।

---

1. 12
2. विनम्र स्व.श्री विजयकुमार जैन
3. पंचरत्न/सिंघई
4. 04.10.80
5. 12.30
6. जबलपुर
7. डी.एम.ई + एम.बी.ए.
8. 5'6''
9. गोरा
10. सर्विस –स्पंज आयरन प्लांट
11. 1.80 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. श्रीमती विमला जैन, विजय निवास विजय नगर, दुर्ग
15. 0788-4013349 09981034198

---

1. 13
2. उमेश शांतकुमार जैन
3. ढ़ेंगा/सर्राफ
4. 18.11.86
5. 18.00
6. ग्वालियर
7. बी.कॉम, कम्प्यूटर कोर्स
8. 5'9''
9. गेहुँआ
10. व्यवसाय
11. 1.44 लाख
12. –
13. नहीं
14. सुभाष बाड़ा राठी भवन के पास, कसेरा ओली लश्कर, ग्वालियर
15. 0751-2630398 09926137561

---

1. 14
2. प्रीति अशोक कुमार जैन
3. सेठ/फणीश
4. 29.08.86
5. 04.42
6. गंजबासौदा
7. एम.ए. हिन्दी, पीजीडीसीए
8. 5'1''
9. गोरा
10. –
11. –
12. हाँ
13. नहीं
14. जय पैलेस के पास, वेलोट स्टेशन बायपास मेन रोड़, गंजबासौदा जिला विदिशा
15. 9407595681 9893245411

---

1. 15
2. विनीत स्व.श्री विजयकुमार जैन
3. पंचरत्न/सिंघई
4. 02.09.78
5. 13.45
6. छिन्दवाड़ा
7. बी.कॉम
8. 5'5''
9. गोरा
10. सर्विस
11. 1.00 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. श्रीमती विमला जैन, विजय निवास विजय नगर, दुर्ग
15. 0788-4013349 09981034198

---

1. 16
2. डॉ. मयंक डॉ. महेन्द्र कुमार जैन
3. पांडे/बिलौआ
4. 15.07.83
5. 05.00
6. पिपरिया
7. बी.एच.एम.एस.
8. 5'7''
9. गोरा
10. चिकित्सक
11. 2.50 लाख
12. नहीं
13. आंशिक
14. कल्पना क्लिनिक, श्रीकृष्ण टाकिज के पास, सिवनी मालवा, जिला होंशगाबाद
15. 9425646344

---

1. 17
2. कु. जितेन्द्र हुकुमचंद जैन
3. फणीश/पवैया
4. 15.02.81
5. 00.45
6. विदिशा
7. बी.ए.
8. 5'5''
9. –
10. व्यवसाय
11. –
12. –
13. –
14. दुर्गा चौक, तलैया मोहल्ला विदिशा
15. 07592-404403 9424491290

---

1. 18
2. अंशुल अरुण कुमार पंचरत्न
3. पंचरत्न/पटवारी
4. 01.07.86
5. 17.05
6. खुरई
7. एम.एस.सी.
8. 5'10''
9. गोरा
10. सर्विस
11. 2.40 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. नेहरु वार्ड खुरई सागर
15. 9425347072 9827254111

---

1. 19
2. दीपक धन्नालाल जैन
3. फणीश/पंचरत्न
4. 06.05.85
5. 00.45
6. अहमदाबाद
7. मेकेनिकल इंजीनियरिंग
8. 5'11''
9. गेहुँआ
10. व्यापार
11. 12.00 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. 610, माधव बंगला, डिवि-6, माधव इंटरनेशनल स्कूल के पास, वस्त्राल, अहमदाबाद
15. 9909955527, 9925801681

---

1. 20
2. गौरव देवेन्द्र कुमार जैन
3. पंचरत्न/सिंघई
4. 10.10.80
5. 15.33
6. सतना
7. एम.कॉम.
8. 5'4''
9. गोरा
10. संविदा शिक्षक वर्ग-3
11. 0.60
12. नहीं
13. नहीं
14. जैन मंदिर के पास, जैतवारा जिला सतना
15. 9424740423 07566413203

---

1. 21
2. जितेन्द्र महेन्द्र कुमार शास्त्री
3. सिंघई/वैद्य
4. 08.12.84
5. 11.15
6. अम्बाह
7. बी.कॉम
8. 5'5''
9. गोरा
10. एमबी एल.के. मेडीकेयर
11. 2.00 लाख
12. हाँ
13. हाँ
14. प्रधानाध्यापक टेकचंद जैन विद्यापीठ अम्बाह जिला मुरैना
15. 08966819887

---

1. 22
2. अभिषेक जयकुमार जैन
3. पुला/पटवारी
4. 18.01.86
5. 12.40
6. ललितपुर
7. एम.ए., एम.एड.नेट.जे.आर.एफ.
8. 5'10''
9. गेहुँआ
10. शिक्षक केन्द्रीय विद्यालय
11. 4.44 लाख
12. हाँ
13. –
14. शांतिनाथ दि. जैन मंदिर के पास, गांधी नगर, नई बस्ती, ललितपुर
15. 8765642965 8765252972

---

1. 23
2. नीतेश रमेशचंद भंडारी
3. भंडारी/सिंघई
4. 15.11.86
5. 4.50
6. गंजबासौदा
7. एम.कॉम. कम्प्यूटर
8. 5'9''
9. गोरा
10. –
11. –
12. –
13. –
14. वीर जनरल स्टोर्स, पारासरी नदी के पास गंजबासौदा, जिला विदिशा
15. 07594-221073 09425431875

प्राप्त बॉयोडाटा को प्रकाशित करने में हम पूरी सावधानी रखतें हैं, जिन प्रत्याशियों का संबंध हो गया है उनके अभिभावकों से सादर निवेदन है कि वे संबंध की सूचना हमें प्रेषित करें ताकि **''गोलालारीय दर्शन''** के माध्यम से नवदंपत्ति को बधाई संदेश (मय फोटो) प्रेषित किया जा सकें। यदि आप बॉयोडाटा का पुनः प्रकाशन चाहतें है तो निर्धारित शुल्क 100 रु. एवं उपरोक्त प्रारुप के साथ गोलालारीय दर्शन कार्यालय पर भेज सकते हैं।

चि. सिद्धार्थ-सौ. नेहा जैन   चि. ऋषि-सौ. विंजल जैन

नागपुर समाज के धर्मनिष्ठ, कर्त्तव्यनिष्ठ व लोकप्रिय श्रावक सिंघई श्री मदनकुमार जैन व श्रीमती शोभारानी जैन के सुयोग्य पुत्रो **चि. सिद्धार्थ** व **चि. ऋषि** का मंगल परिणय 15 जून 2012 को **सौ. नेहा जैन** सुपुत्री **श्री अशोककुमार-श्रीमती निर्मला जैन चौरई** व **सौ. विंजल जैन** सुपुत्री **श्री ऋषभ कुमार-सुनीता जैन** अहमदाबाद के संग उल्लास, उमंग व आत्मीयता के वातावरण में सानंद संपन्न हुआ। इस अवसर पर संपूर्ण देश से पधारे अतिथिवृंद व स्वजनों ने नवयुगल को सुखद, स्वर्णिम भविष्य के लिए कोटिशः मंगलकामनायें प्रदान की। धर्म, जनसेवा व गुरुभक्ति में समर्पित सिंघई परिवार पर जैनाचार्यों, गुरुओ व चतुर्विद संघ की महत्ती कृपा है।

नवयुगलों को हमारे कोटि आशीष व मंगलकामनायें ।

* श्रीमती सुशीलादेवी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री बाबूलालजी साईकिलवाले, ललितपुर। * श्रीमती शशिप्रभा-प्रो. एल.सी. जैन, झांसी * श्रीमती उषा-इंजी. अरुणकुमार जैन, उज्जैन * श्रीमती मीना-अनिलकुमार जैन, नागपुर * श्रीमती साधना-एड. अजयकुमार जैन, ललितपुर * श्रीमती समता-आनंदकुमार जैन, ललितपुर व समस्त स्वजन

प्रतिष्ठान – * मे. बाबूलाल अरुण कुमार जैन साईकिल डीलर, ललितपुर * विद्यासागर रोडवेज, नागपुर * श्री दिवाकीर्ति शिक्षा व कल्याण समिति, दैलवारा, ललितपुर (उ.प्र.)

विज्ञापन

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, सम्पादक मण्डल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है । किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ।

स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा ज़ील कम्प्यूटर एंड ग्राफिक्स 356, तिलक नगर इन्दौर से मुद्रित एवं श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित